DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 August, 2024

एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी

संदर्भ: *हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR) ने शुक्रवार को चीन से एल्युमीनियम फॉयल के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।*

काउंटरवेलिंग ड्यूटी और एंटी-डंपिंग पर पृष्ठभूमि

- **डंपिंग** : जब कोई देश किसी दूसरे देश को अपने बाज़ार की तुलना में कम कीमत पर सामान बेचता है, तो उसे डंपिंग माना जाता है। इससे वैश्विक व्यापार में समस्या हो सकती है।
- **एंटी-डंपिंग ड्यूटी:** यह वस्तुओं को उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर डंप करने से रोकने के लिए आयात पर लगाया जाने वाला सीमा शुल्क है।
- **प्रतिकारी शुल्क (सीवीडी):** यह निर्यातक देश में सरकारी सब्सिडी के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए आयात पर लगाया गया सीमा शुल्क है।

डम्पिंग -

- **उपभोक्ताओं को लाभ:** आयातक देशों के उपभोक्ताओं को कम कीमतों से लाभ होता है।
- **स्थानीय बाज़ारों पर प्रभाव:** डंपिंग से स्थानीय बाज़ार को नुकसान हो सकता है, जिससे नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं और कंपनियाँ बंद हो सकती हैं।
- **विनियमन** : विश्व व्यापार संगठन और यूरोपीय संघ डंपिंग को विनियमित करते हैं, तथा डंपिंग के पर्याप्त सबूत मिलने पर शुल्क और फीस लगाते हैं।
- **बाजार प्रभाव:** यदि उत्पाद की कीमत विदेश में अधिक है तो निर्यातक के घरेलू बाजार में भी डंपिंग हो सकती है।

डम्पिंग के प्रकार

- **छिटपुट डंपिंग:**
  - यह तब होता है जब व्यवसायी घरेलू मूल्य में कमी से बचने के लिए अधिशेष अनबिके माल को बेच देते हैं।
  - अतिरिक्त आपूर्ति को नष्ट किया जा सकता है या विदेशी बाजारों में निर्यात किया जा सकता है।
- **हिंसक डंपिंग:**
  - इसमें घरेलू बाजार की तुलना में कम कीमत पर विदेशी बाजारों में नियमित रूप से डंपिंग शामिल है।
  - इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को समाप्त करके विदेशी बाजार पर एकाधिकार करना है।
- **लगातार डंपिंग:**
  - घरेलू बाजारों की तुलना में विदेशी बाजारों में कम कीमतों पर उत्पादों की निरंतर पेशकश करना।
  - ऐसा तब होता है जब विदेशी बाजारों में स्थिर मांग होती है।
- **रिवर्स डंपिंग:**
  - ऐसा तब होता है जब विदेशी बाजार में मांग कम लोचदार होती है, अर्थात मूल्य परिवर्तन से मांग प्रभावित नहीं होती।
  - यह कम्पनियों को घरेलू स्तर पर कम कीमतें बनाए रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक कीमतें वसूलने की अनुमति देता है।

काउंटरवेलिंग ड्यूटी (सीवीडी) क्या है?

- **उद्देश्य** : इसे घरेलू निर्माताओं को आयात सब्सिडी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए लगाया जाता है।
- **तंत्र** : यह विदेशी उत्पादों को सब्सिडी से मिलने वाले मूल्य लाभ को बेअसर करने के लिए आयातक देश द्वारा लगाया गया कर है।
- **प्रभावशीलता** : CVD सब्सिडी वाले आयातों के लागत लाभ को समाप्त कर देता है, तथा स्थानीय उद्योग को संरक्षण प्रदान करता है।

एंटी-डंपिंग ड्यूटी क्या है?

- **संरक्षणवादी शुल्क:** इसे घरेलू सरकारों द्वारा कम कीमत वाले विदेशी सामानों पर लगाया जाता है।
- **उद्देश्य** : केवल घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के बजाय निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करना।
- **प्रभाव** : स्थानीय उद्यमों को डंपिंग के नकारात्मक प्रभावों, जैसे बाजार में गिरावट, से सुरक्षा प्रदान करता है।

व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR) की भूमिका

- **प्राथमिक प्राधिकरण:** डीजीटीआर एक राष्ट्रीय प्राधिकरण है, जो एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग शुल्क जैसे व्यापार उपचारात्मक उपायों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
- **स्थानीय उद्योग के लिए समर्थन:** यह स्थानीय उद्योग और निर्यातकों को विदेशी व्यापार उपचार जांच से निपटने में सहायता करता है।
- **स्थापना** : निदेशालय का गठन अप्रैल 1998 में किया गया था, जिसका नेतृत्व एक नामित प्राधिकारी करता है, जिसमें एक सलाहकार और ग्यारह जांच और लागत अधिकारी होते है।

एंटी-डंपिंग ड्यूटी के उद्देश्य

- **डंपिंग पर ध्यान देना:** एंटी-डंपिंग शुल्क का उद्देश्य उत्पाद डंपिंग के व्यापार-विकृत प्रभावों का प्रतिकार करना है।
- **दीर्घकालिक प्रभाव:** ये शुल्क घरेलू उद्योगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को सीमित कर सकते हैं।
- **डब्ल्यूटीओ स्वीकृत:** निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के साधन के रूप में डब्ल्यूटीओ समझौतों के तहत एंटी-डंपिंग उपायों की अनुमति है।

काउंटरवेलिंग ड्यूटी और एंटी-डंपिंग ड्यूटी के बीच अंतर

- **उद्देश्य** :
  - **प्रतिपूरक शुल्क:** यह आयात सब्सिडी के हानिकारक प्रभावों को कम करता है।
  - **एंटी-डंपिंग ड्यूटी:** यह वस्तुओं को उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर डंप करने से सुरक्षा प्रदान करती है।
- **प्रकृति** :
  - **प्रतिपूरक शुल्क:** यह निर्यातक देश में सरकारी सब्सिडी प्राप्त करने वाले माल पर लागू होता है।
  - **एंटी-डंपिंग ड्यूटी:** यह ड्यूटी उन आयातों पर लगाई जाती है जो सामान्य मूल्य से बहुत कम कीमत पर बेचे जाते हैं।

एंटी-डंपिंग ड्यूटी से संबंधित डब्ल्यूटीओ प्रावधान

- **अवधि** : एंटी-डंपिंग शुल्क पांच वर्ष तक रहता है, जब तक कि इसे पहले समाप्त न कर दिया जाए।
- **सूर्यास्त समीक्षा:** इस समीक्षा के माध्यम से इन शुल्कों की आवश्यकता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए पांच वर्षों के लिए इसे बढ़ाया जा सकता है।
- **समीक्षा ट्रिगर:** एक सूर्यास्त समीक्षा या तो स्वयं शुरू की जा सकती है या घरेलू उद्योग के अनुरोध पर की जा सकती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 August, 2024

भारत की दूसरी परमाणु पनडुब्बी 'अरीघाट'

***संदर्भ** : हाल ही में भारत की दूसरी परमाणु पनडुब्बी अरिघाट को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।*

आईएनएस अरिघाट

- **दूसरी परमाणु पनडुब्बी:** आईएनएस अरिघाट भारत की दूसरी परमाणु पनडुब्बी है, जिसका वजन 6,000 टन है।
- **परमाणु त्रय:** यह आईएनएस अरिहंत को भारत के परमाणु त्रिकोण के प्रमुख घटक के रूप में शामिल करता है, जिससे हवा, जमीन और समुद्र से परमाणु मिसाइलों का प्रक्षेपण संभव हो सकेगा।
- **वैश्विक स्थिति:** भारत, अमेरिका, रूस, चीन और फ्रांस के साथ परमाणु त्रिकोण क्षमता वाले देशों के एक विशिष्ट समूह का हिस्सा है।
- **बढ़ी हुई क्षमताएं:** यह भारतीय नौसेना की परमाणु हमला करने की क्षमता को मजबूत करता है, अग्नि 2, अग्नि 4, अग्नि 5 जैसी भूमि-आधारित मिसाइलों और राफेल, Su-30MKI और मिराज 2000 जैसे परमाणु-सक्षम भारतीय वायुसेना के विमानों की पूरक शक्ति प्रदान करता है।
- **मिसाइल आयुध:** स्वदेश निर्मित K-15 मिसाइलों से यह लैस है, जिनकी मारक क्षमता 700 किमी से अधिक है।
- **उन्नत रिएक्टर:** यह 83 मेगावाट दबावयुक्त हल्के जल परमाणु रिएक्टरों द्वारा संचालित है, यह पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की तुलना में बहुत अधिक समय तक पानी में डूबा रह सकता है और इसका पता नहीं चल पाता है।
- **सामरिक निवारक:** भारत की "पहले प्रयोग नहीं" नीति के तहत, अरिघाट एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करता है, क्योंकि इसकी परमाणु हमले से बचने और जवाबी हमला करने की क्षमता है।
- **तकनीकी उन्नति:** यह आईएनएस अरिहंत से भी अधिक उन्नत है, जिसमें स्वदेशी प्रणालियां और उपकरण हैं, जिनकी संकल्पना, डिजाइन, निर्माण और एकीकरण भारतीय वैज्ञानिकों, उद्योग और नौसेना कर्मियों द्वारा किया गया है

परमाणु पनडुब्बी अवलोकन

- **ऊर्जा स्रोत:** परमाणु पनडुब्बियों को परमाणु रिएक्टरों द्वारा ऊर्जा मिलती है, जिससे बार-बार सतह पर आए बिना पानी के भीतर लंबे समय तक संचालन संभव हो जाता है।
- **लाभ** :
  - **हवाई निर्भरता नहीं:** पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों के विपरीत, परमाणु प्रणोदन से हवाई निर्भरता समाप्त हो जाती है।
  - **उच्च गति और सहनशक्ति:** यह निरंतर उच्च गति से संचालन में सक्षम है।
  - **पारंपरिक पनडुब्बियों की सीमाएं:** डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की बैटरी लाइफ सीमित होती है, जिससे पानी के अंदर उनकी क्षमता सीमित हो जाती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **लागत एवं पहुंच:** उच्च लागत के कारण परमाणु पनडुब्बियां कुछ ही सैन्य शक्तियों तक सीमित हैं।

➢ विद्युत उत्पादन

- **परमाणु बनाम पारंपरिक पनडुब्बि :**
  - परमाणु रिएक्टर विद्युत मोटरों या भाप टर्बाइनों को शक्ति प्रदान करते हैं तथा दक्षता के लिए अत्यधिक समृद्ध ईंधन का उपयोग करते हैं।
  - **बैकअप पावर:** पारंपरिक पनडुब्बि में डीजल जनरेटर आपातकालीन शक्ति और प्रणोदन प्रदान करते हैं।
  - **परिचालन क्षमता:** परमाणु पनडुब्बियां 30 वर्षों तक ईंधन ले जा सकती हैं।
- **चुनौतियां -**
  - **थर्मल वेक:** यह रिएक्टर की शीतलन प्रणाली एक पता लगाने के लिए "थर्मल वेक" बनाती है, जिससे पनडुब्बी को थर्मल इमेजिंग द्वारा देखा जा सकता है।
  - **शोर:** रिएक्टर के निरंतर संचालन से शोर उत्पन्न होता है, जिससे परमाणु पनडुब्बियों को पारंपरिक पनडुब्बियों की तुलना में सोनार द्वारा अधिक आसानी से पहचाना जा सकता है।

शंघाई सहयोग संगठन

संदर्भ: *हाल ही में भारत ने अभी तक एससीओ बैठक के लिए पाकिस्तान के निमंत्रण पर निर्णय नहीं लिया है।*

➢ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का अवलोकन

- **भौगोलिक पहुंच और आर्थिक प्रभाव**
  - इसमें यूरेशियाई भूभाग का लगभग 60% तथा वैश्विक जनसंख्या का 40% भाग इसमें सम्मिलित है।
  - इसमें सदस्य देशों का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20% है।
- **उद्देश्य** : राजनीति, सुरक्षा, अर्थशास्त्र और संस्कृति में सहयोग को बढ़ावा देना।
- **मुख्यालय एवं संबद्ध संगठन**
  - इसका स्थायी सचिवालय बीजिंग, चीन में स्थित है।
  - इसमें एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस) और एससीओ व्यापार परिषद जैसे संगठन शामिल हैं।

➢ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **उत्पत्ति** : इसकी उत्पत्ति 1996 में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान द्वारा की गई थी।
- **एससीओ का गठन:** 15 जून 2001 को शंघाई में उज्बेकिस्तान को शामिल करके इसकी स्थापना की गई।
- **विस्तार-**
  - 9 जून 2017 को भारत और पाकिस्तान के शामिल होने के साथ इसकी सदस्यता बढ़कर आठ हो गई।
  - ईरान 2023 में इसका सदस्य बनेगा।
- **शासी निकाय:** इसका नेतृत्व राज्य प्रमुख परिषद (एचएससी) करता है, जो सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और इसकी बैठक प्रतिवर्ष होती है।

The Shanghai Cooperation Organisation

Graphic© Asia Briefing Ltd.

➢ भारत के लिए महत्व

- **सुरक्षा सहयोग**
  - इसके द्वारा आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया।
  - आरएटीएस के माध्यम से मानव तस्करी और हथियारों की तस्करी जैसे क्षेत्रीय मुद्दों से निपटना शमित है।
  - यह सुरक्षा, अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी पर सीएसटीओ जैसे संगठनों के साथ सहयोग करता है।
  - यह साइबर युद्ध और हानिकारक सूचना प्रसार का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **सैन्य गतिविधियाँ**
  - यह सैन्य सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और आतंकवाद विरोधी प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।
  - यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बढ़ाने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित करता है।
  - यह संघर्षों में प्रत्यक्ष सैन्य सहायता प्रदान नहीं करता है, बल्कि इसका उद्देश्य स्थिरता बनाए रखना है।
- **आर्थिक सहयोग**
  - यह आर्थिक सहयोग, संयुक्त ऊर्जा परियोजनाओं और संसाधन उपयोग को बढ़ावा देता है।
  - यह खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा के लिए एससीओ इंटरबैंक कंसोर्टियम के माध्यम से परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- **सांस्कृतिक सहयोग**
  - इसकी बैठक में सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्री नियमित रूप से मिलते हैं।
  - यह सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए कला उत्सवों और प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

➢ **जारी संघर्ष**

- **भारत और चीन:** सीमा मुद्दों पर विवाद तथा तनाव का समाधान नहीं हो पाया है।
- **भारत और पाकिस्तान:** राज्य प्रायोजित आतंकवाद और लगातार संघर्ष विराम उल्लंघन के कारण इन देशों में तनाव है।
- **किर्गिज़स्तान और ताजिकिस्तान:** सीमा विवाद क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।
- **अफगानिस्तान और पाकिस्तान:** तालिबान के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्थिरता के कारण संघर्ष हो रहा है।

➢ **एससीओ के समक्ष चुनौतियां**

- **शक्ति असंतुलन:** इसमें चीन और रूस का प्रभुत्व, जिसके कारण असंगत प्रभाव की चिंता उत्पन्न होती है।
- **आर्थिक एकीकरण:** इसमें सार्थक आर्थिक एकीकरण और समान विकास प्राप्त करने में कठिनाइयाँ।
- **बाह्य प्रभाव:** एकता और स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रतिस्पर्धी बाह्य हितों को नियंत्रित करना कठिन है।
- **लोकतांत्रिक सिद्धांत और मानवाधिकार:** सदस्य राज्यों की संप्रभुता को मानवाधिकार संवर्धन के साथ संतुलित करना कठिन है।
- **भिन्न हित:** विविध राजनीतिक प्रणालियाँ और प्राथमिकताएँ आम सहमति को कठिन बनाती हैं।
- **आतंकवाद और उग्रवाद:** विभिन्न राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के कारण जटिल हो चुके आतंकवाद और उग्रवाद के विरुद्ध प्रयासों का समन्वय करना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

प्रोजेक्ट नमन

हाल ही में, भारतीय सेना ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना पत्नी कल्याण संघ (AWWA) की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता द्विवेदी की उपस्थिति में प्रोजेक्ट नमन के पहले चरण का शुभारंभ किया है।

प्रोजेक्ट नमन के बारे में:

- प्रोजेक्ट नमन को रक्षा पेंशनभोगियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को समर्पित सहायता और सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह रक्षा पेंशनभोगियों के लिए एक डिजिटल पेंशन प्रणाली स्पर्श (पेंशन प्रशासन रक्षा प्रणाली) के कार्यान्वयन के इर्द-गिर्द केंद्रित है।
- यह प्रणाली देश भर में दिग्गजों और निकटतम परिजनों (NOK) के लिए सुलभ सुविधा बिंदुओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करती है।
- इस परियोजना का लक्ष्य अगले 2 से 3 वर्षों में देश भर में लगभग 200 केंद्र स्थापित करना है।
- नई दिल्ली, जालंधर, लेह, देहरादून, लखनऊ, जोधपुर, बेंगलुरू, गोरखपुर, झांसी, सिकंदराबाद, सागर, गुंटूर, अहमदाबाद और बैंगलोर सहित प्रमुख स्थानों पर 14 सामान्य सेवा केंद्र स्थापित किए गए।
- प्रोजेक्ट नमन यह सुनिश्चित करता है कि दिग्गजों और उनके परिवारों को आवश्यक देखभाल और सहायता मिले।

पोषण ट्रैकर ऐप

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कल 30 अगस्त को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में देश के पांच राज्यों में पोषण ट्रैकर ऐप में फेस ऑथेंटिकेशन फीचर के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की।

पोषण ट्रैकर ऐप के बारे में:

- पोषण/पोषण ट्रैकर ऐप, पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन का एक हिस्सा है, जिसे भारत के प्रधान मंत्री द्वारा मार्च 2018 में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य डिजिटल इंडिया विजन को मजबूत करना और नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करना है।
- ऐप को मार्च 2021 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) द्वारा ICDS-CAS (कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर) सिस्टम को बदलने के लिए लॉन्च किया गया था।
- ऐप AWW (आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं) को नए लाभार्थियों को पंजीकृत करने, लाभार्थी प्रोफाइल अपडेट करने, उपस्थिति दर्ज करने और डिजिटल कार्ड के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करने की अनुमति देता है।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कुशल सेवा वितरण के लिए सरकारी ई-मार्केट (GeM) के माध्यम से खरीदे गए स्मार्टफोन प्रदान किए जा रहे हैं।

पेसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन

हाल ही में, नेपाल पर्यटन बोर्ड को आजीविका पुनर्प्राप्ति परियोजना (STLRP) के लिए सतत पर्यटन में पेसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (PATA) गोल्ड अवार्ड मिला है।

पेसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन के बारे में:

- पेसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (PATA) एक गैर-लाभकारी संगठन है जो एशिया प्रशांत क्षेत्र में यात्रा और पर्यटन के जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
- 1951 में स्थापित, PATA एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपने काम के लिए जाना जाता है।
- सदस्यता

	▪ यह एक सदस्यता संघ है जिसमें राज्य पर्यटन बोर्ड, होटल, वाहक, ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर और अन्य यात्रा-संबंधित कंपनियां शामिल हैं। ▪ सदस्यों के लिए लाभ ▪ इसके सदस्य PATA के प्लेटफार्मों पर एक उद्योग विचार नेता के रूप में अपने संगठन की दृश्यता बढ़ा सकते हैं। ▪ PATA इंडिया चैप्टर की स्थापना 1974 में हुई थी और इसे एशिया प्रशांत क्षेत्र में सबसे गतिशील अध्यायों में से एक माना जाता है। ▪ भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय PATA इंडिया का मुख्य और सबसे बड़ा सदस्य संगठन है। ▪ PATA ट्रैवल मार्ट 2023 का उद्घाटन 4 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया गया। ▪ भारत के केरल पर्यटन ने डिजिटल मार्केटिंग श्रेणी में PATA गोल्ड अवार्ड 2024 जीता है।
समाचार में स्थान **वाधवन बंदरगाह**	*हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने पालघर में वाधवन बंदरगाह की आधारशिला रखी।* **वाधवन बंदरगाह के बारे में:** ▪ वाधवन बंदरगाह अरब सागर के किनारे महाराष्ट्र के पालघर जिले में दहानू शहर के पास स्थित है। ▪ बंदरगाह का उद्देश्य एक विश्व स्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है, जो अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों को सीधा संपर्क प्रदान करता है, जिससे पारगमन समय और लागत कम हो जाएगी। ▪ बंदरगाह का संचालन जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण के सहयोग से वाधवन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) द्वारा किया जाएगा। ▪ यह बंदरगाह भारत के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक होगा, जिसे बड़े कंटेनर जहाजों और अल्ट्रा-बड़े मालवाहक जहाजों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ▪ यह बंदरगाह पहल पीएम गति शक्ति कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में बुनियादी ढांचे और रसद दक्षता को बढ़ाना है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल (ICG) द्वारा लॉन्च किए गए पहले स्वदेशी रूप से विकसित प्रदूषण नियंत्रण पोत का नाम क्या है? – **समुद्र प्रताप**
- हाल ही में, विश्व स्वर्ण परिषद (WGC) ने 2024 के लिए भारत के सोने की खपत के अनुमान को बढ़ाकर कितने टन कर दिया है? – **850 टन**
- किस भारतीय मंत्रालय ने हाल ही में सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तिकरण प्रशिक्षण (RESET) कार्यक्रम शुरू किया है? – **युवा मामले और खेल मंत्रालय**
- हाल ही में, किस मंत्रालय ने अगस्त और अक्टूबर 2024 के बीच चावल की ओपन मार्केट सेल स्कीम (OMSS) में इथेनॉल उत्पादकों को भाग लेने की अनुमति दी है? – **खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय**
- हाल ही में, किस संगठन ने भूजल में फ्लोराइड का अखिल भारतीय विश्लेषण किया? – **राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC)**